कभी कभी जीतने के लिए चुदना भी पड़ता है-3

“नंगी चूत की चुदाई स्टोरी में पढ़ें कि कैसे एक लड़की प्रतियोगिता जीतने के लिए अपने प्रतिस्पर्धी से चुदाई का सौदा करती है. कैसे चूत में लंड घुसा कॉलेज गर्ल की ? मजा लें. …”

Story By: (suhani.k)
Posted: Wednesday, June 3rd, 2020
Categories: जवान लड़की
Online version: कभी कभी जीतने के लिए चुदना भी पड़ता है-3

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

कभी कभी जीतने के लिए चुदना भी पड़ता है-3

 यह कहानी सुनें

नंगी चूत की चुदाई स्टोरी का पिछला भाग : कभी कभी जीतने के लिए चुदना भी पड़ता है-2

> करीब 3-4 मिनट तक मैंने उसका लंड चूसा. और फिर ऊपर देख के कहा- अब तो ठीक है ना ? चुदाई शुरू करें ?
> सुनील ने कहा- लगता है बहुत सेक्स है तुम्हारे अंदर ? जो इतनी आग लगी हुई है।
>
> मैंने कहा- सब में होता है. तुम ज्ञान मत दो बस चोदना शुरू करो।
> सुनील ने कहा- ठीक है जानेमन, आओ ऊपर आओ.
>
> तो मैं खड़ी हो गयी उसके सामने।

सुनील ने मेरी छाती पे हाथ रख के मुझे दीवार तक धकेल दिया और मुझे दीवार से सटा दिया. फिर वो एकदम मेरे करीब आया और लंड अपने हाथ में पकड़ के कहा- तैयार हो जानेमन ?
मैं भी पूरे जोश में थी तो मैंने भी कहा- हम्म … बिल्कुल तैयार हूँ।

सुनील अब मेरी चूत के दरवाजे पे अपना गर्म लंड ऊपर नीचे ज़ोर ज़ोर से रगड़ने लगा और मुझे और बैचनी होने लगी- प्लीज ड़ाल दो ना अंदर … प्लीज।
मेरा इतना कहना था, उसने पूरी ताकत से एक झटके में चूत में लंड घुसा दिया कॉलेज गर्ल की और मुझे ऊपर को उठा दिया।
मेरे मुंह से ज़ोर की सीईईई … निकल गयी और मेरी आँखें बंद हो गयी।

मेरे चेहरे पे लंड डलने की एक अलग ही स्माइल आ गयी. मैंने आँख बंद करे करे ही कहा- आहह … बहुत मजा आया आहह … और डालो, चोद दो मुझे आज पूरी रात … प्लीज सुनील।
सुनील ने यह सुन के अपना लंड बाहर निकाला और फिर से पूरा घुसा दिया. और पूरा निकाल के पूरा डालने लगा और धक्के मारने लगा.

मैं उसके हर धक्के के साथ ऊपर को उठते हुए आहह … सीईईई … सीईई … आई … आहह … करने लगी।
सुनील मुझे ऐसे ही खड़े खड़े पट्ट पट्ट धक्के मार मार के चोदता रहा कुछ देर तक।

उसके मुंह से ज़ोर लगाने की हम्म … हम्म … हम्म … आवाजें आती रही.
मैं अब आँखें खोले उसे खुद को चोदते हुए देख रही. मैं आहह … आ … आ … आहह … सीईई … और तेज़. और तेज़ … बहुत मजा आ रहा है … करके चुदवाती रही।

लगभग 5-6 मिनट ऐसे ही खड़े खड़े चोदने के बाद हमने थोड़ा आराम किया और साँसें काबू करने लगे।
मैंने हांफते हुए ही कहा- तुम तो बहुत अच्छा चोदते हो, मुझे लगा था वैसे ही होगे।

उसने कहा- अरे जानेमन, आपको देख के तो मरे हुए आदमी का लंड खड़ा हो जाये, मैं तो फिर भी जिंदा हूँ. तुम्हें झाड़े बिना नहीं झड़ूँगा. देखती जाओ।

मैंने कहा- ये हुई ना बात ! सुस्ता लिए हो तो आगे की चुदाई शुरू करें ?
उसने कहा- ठीक है.

और मैं गद्दों पे जाकर टाँगें पूरी चौड़ी कर के लेट गयी और कहा- लो चोद लो जितना चोदना है, पर मुझे ही जिताना।
उसने कहा- फिक्र मत करो, तुम ही जीतोगी.

और अब चूत में लंड घुसा कॉलेज गर्ल की ! उसने मेरे पास आकर सीधा लंड घुसाया और टाँगें पंजों के पास से पकड़ के चोदना शुरू कर दिया।
मैं उसके धक्कों से गद्दों में ऊपर नीचे पूरी हिलती हुई बोल रही थी- आहह … आहह … आह … सुनील. और चोदो … और तेज़ … मजा आ रहा है … और तेज़ और तेज़।
सुनील मुझे आहह … आहह … हम्म … हम्म … ये ले साली रांड. और चुद … ये ले … कहते हुए पूरी ताकत से चोदता रहा।

मैंने कहा- चोदो और तेज़ … आहह … आज अपनी इस रांड की प्यास बुझा दो … रुकना मत … बस तेज़ तेज़ चोदते रहो।

सुनील इस बार मुझे लगभग 10 मिनट तक लगातार चोदता रहा।
बीच में थोड़ा धीरे हो जाता पर फिर तेज़ हो जाता पर चोदना चालू रखा।

फिर जब उसकी और मेरी साँसें काबू से बाहर होने लगी तो दोनों रुक गए और सुस्ताने लगे। मैंने गद्दों पे पूरी लेट गयी और वो भी पैर लटका के सुस्ताने लगा.
और हम दोनों हम्म … हम्म … करते हुए हाँफने लगे।

उसने फिर कुछ देर बाद कहा- थोड़ी देर लंड चूसो यार !
तो मैंने बिना कुछ कहे घुटनों के बल उसके लंड के बीच आ गयी और गप्प गप्प चूसने

लगी।
सुनील बस हाथ पीछे टिकाये उम्महह … उम्महह … करते हुए लंड चुसवाने लगा।

मैंने उसका लंड चूसने के बाद कहा- अब ठीक है ?
उसने कहा- हाँ, आओ ऊपर, मेरी तरफ कमर कर के लेटो।

मैं उसके बगल में कमर कर के लेट गयी. उसने पीछे से लेट के मेरी एक टांग थोड़ी ऊपर उठाई और अपना लंड नीचे से चूत पे रखा और धीरे धीरे ऊपर करने लगा।
मैंने हल्की सी आह … करी.
और इतने में उसने अपना पूरा लंड अंदर डाल दिया।

अब उसने मेरे चूतड़ों पे हाथ रख के धक्के मारना शुरू कर दिया और मुझे पट्ट पट्ट चोदने लगा।

करवट लेके लेटने की वजह से मेरे बूब्स उसके धक्कों से थर थर काँप रहे थे.
और मैं बोल रही थी- आहह … आहह … और तेज़ सुनील. कमाल का चोदते हो तुम … और तेज़।

सुनील भी पूरी शिद्दत से मुझे हम्म … उम्म … उम्महह … करके चोदता रहा। पूरे कमरे में हम दोनों के जिस्म टकराने की पट्ट … पट्ट … की और आहह … आहह … की सिसकारियों की आवाज आ रही थी।

इस स्टोर रूम में शांति से चुदने की कोई जरूरत नहीं थी. क्यूँकि बाहर आवाज नहीं जा सकती थी इसलिए हम पूरे जोश के साथ चुदाई कर रहे थे।

मैंने उससे पूछा- हुआ नहीं क्या तुम्हारा ? काफी देर हो गयी, अब तो मैं भी थकने लगी हूँ।
उसने कहा- अभी हो जाएगा. ऐसा करो डोगी स्टाइल में आ जाओ. तुम्हें कुतिया बना के

चोदूँगा।
मैंने बोला- ठीक है.

मैं अपनी गांड घुमा कर घोड़ी बन गयी उसके सामने और कहा- लो, चोद लो अपनी कुतिया को।
सुनील ने पीछे से मेरी चूत पे लंड रखा और धीरे धीरे पूरा डाल दिया।

मेरी नज़र साइड की दीवार पे बन रही दोनों की परछाई पे पड़ी तो मुझे मुस्कुराना आ गया.
मैंने बस सीईईई … करते हुए कहा- चोद कुत्ते, चोद मुझे।

सुनील ने इतना सुनते ही मुझे ज़ोर ज़ोर से चोदना शुरू कर दिया पीछे से।
मैं उसके धक्कों से आगे पीछे हिलने लगी. बोलने लगी- आहह … आहह … आई … आह … आऊ … आहह … सुनील आहह।

सुनील ने मुझे ज़ोर ज़ोर से चोदना चालू रखा और घपघप चोदता चला गया।

अब तक हम दोनों का ही झड़ने का टाइम करीब आ गया था। मेरे भी पूरे शरीर में झुरझुरी सी होने लगी थी. मैं हकलाते हुए सी कह रही थी- आहह … शाबाशह … आह … और तेज़. और तेज़ जानु … आहह आहह … मजा आ गया … आह।

इसके साथ ही सुनील की आवाजें भी बहुत तेज़ हो गयी. वो भी आहह … आहह … सुहानी आहह … आ … आ … आहह … सुहानी!
पूरा लंड अंदर डाल के पूरी ताकत से अपनी जांघें मेरी गांड पे दबा के चूत के अंदर ही पिचकारी मार मार के अंदर झड़ने लगा. वो आहह … अहह … करने लगा।

वो झड़ जरूर गया था पर उसका लंड अब भी कड़क था. वो मुझे चोदता रहा। उसके लंड

ने मेरे चूत के दाने को रगड़ना चालू रखा.
और अगले कुछ ही पल में मेरा शरीर भी अकड़ने लगा.
मैं हकलाती हुई आ … आहह … आहह … सुनील … आहह. बस्स … बस … बस … आहह. और इतना कह के फुच्च्ह फुच्च्ह … करके चूत से पानी निकलते हुए झड़ने लगी और काफी सारा झड़ने के बाद हाँफते हुए आगे गिर गयी।

सुनील भी मेरी बगल में आ के गिर गया।

मैं बहुत खुश थी चुदवा के! लेटे लेटे ही मैंने उसे लगे लगा लिया और उसकी छाती पे सिर रख लिया.
हम दोनों ही सुस्ताने लगे।

अब हमारे पास दुबारा सेक्स करने का न तो टाइम था न ही ताकत. इसलिए एक घंटे बाद हमने अपने कपड़े पहने. और स्टोर का समान जैसे था, वैसे ही करके चुपचाप अपने कमरों में चले गए। इतनी जबर्दस्त चुदाई से मेरी चाल ही बदल गयी थी. पर मैं धीरे धीरे सबकी नज़र बचा के अपने कमरे में जा के सो गयी।

उसके बाद मैं बड़ी आसानी से सेमीफ़ाइनल जीत गयी. और सुनील की टीम हार गयी.
क्योंकि सुनील ने जानबूझ कर गलत उत्तर दिये।
सब लोग मुझे बहुत होशियार समझने लगे तो मेरा गुरूर भी बढ़ गया।

अब बस फ़ाइनल बचा था. और मेरे कॉलेज तक भी ये खुशखबरी पहुँच चुकी थी।

तन्वी का फोन आया और उसने पूछा- तो लड़की जीतने लगी है, तू इतनी होशियार है या चुदक्कड़, मैं क्या समझूँ ?
मैंने कहा- तू तो सब जानती ही है, कभी कभी जीतने के चुदना भी पड़ता है।

सुनील ने मुझसे फोन कर के कहा- फ़ाइनल जीतने के लिए कब चुदवाओगी ?
मैंने कहा- ऐसा करते हैं, फ़ाइनल जीत जाऊँ तब करते हैं. घबराओ मत, मना नहीं करूंगी, मेरा खुद मन है अब तो तुमसे चुदवाने का !
सुनील भी खुश हो गया और कहा- ठीक है।

इसके बाद फ़ाइनल प्रतियोगिता भी आ गयी और थोड़े बहुत मुश्किलों के बाद मैंने उत्तर देना जारी रखा और आखिरकार हमारे कॉलेज की टीम मेरी बदौलत जीत भी गया।
सब लोगों ने मुझे बधाई दी अपनी टीम को हारते हुए से जिताने के लिए।

जीतने के बाद प्रतियोगिता समाप्त हो गयी.

शाम को सब टीमों के लिए डिनर पार्टी का प्रबंध किया गया।

सभी कॉलेज की टीम के सदस्य और अध्यापक पार्टी में आए और खूब एंजॉय किया। किसी को क्या पता कि चूत में लंड घुसा तो जीती हमारी टीम.

अगले दिन सबको अपने अपने शहर वापस चले जाना था। मैंने और मेरी टीम ने भी बहुत एंजॉय किया, खूब खाया पिया और नाचे गए।

सुनील मेरी टीम के पास आया और हम सबको जीत की बधाई दी।
उसने कहा- आप सबने बहुत मेहनत की है इस जीत को पाने के लिए !
तो मेरी सहेली ने कहा- हाँ वो तो है. पर सबसे ज्यादा तो सुहानी ने ही की है. इसी की बदौलत जीते है पहले बार।

उसने मुझे हाथ मिला के बधाई दी और मेरा हाथ थोड़ा ज़ोर से भींच के इशारा किया उसके पीछे आने को !
और वापस अपनी टीम के पास चला गया।

मैं उस पे नजर बनाए हुए थी।

लगभग 20 मिनट बाद वो जाने लगा तो मैं भी बहाना कर के छुपते हुए उसके पीछे चली गयी।

कॉलेज का ज्यादातर स्टाफ पार्टी में मस्त था और गार्ड भी कम ही थे।

हम लोग छुप के बेसमेंट में बने स्टोर रूम की तरफ ही जाने लगे. पर देखा रास्ते में गार्ड आपस में गप्पे मार रहे हैं।
हम दोनों वापस आ गए.

मैंने सुनील से कहा- चलो कोई नहीं, जीत तो मैं गयी ही हूँ. लगता है आज नहीं हो पाएगा. अगले साल ही देख लेना।
सुनील ने कहा- नहीं यार, लूँगा तो आज ही … चाहे यहीं लेनी पड़े तेरी।

अब ऐसा तो था नहीं कि मेरा मन नहीं था. तो मैंने कहा- आओ मेरे साथ!
और उसका हाथ पकड़ के ले जाने लगी।

हम लोग कॉलेज बिल्डिंग के आपातकालीन सीढ़ियों से ऊपर की तरफ बिल्डिंग में चढ़ने लगे दबे पाँव. और चुपचाप छत पे पहुँच गए।
मैंने कहा- यहाँ कोई नहीं आने वाला सुबह तक! और लाइट भी ठीक है. और दूर दूर तक कोई इतनी ऊंची बिल्डिंग नहीं है कि कोई हमें देख सके. ऊपर से दीवारें भी ऊंची है इतनी कि कोई नीचे से भी ना देख सके। मेरे ख्याल से यहीं हो सकता है।

सुनील ने कहा- वाह सुहानी वाह! तुम्हारा दिमाग इन सब में तो बहुत तेज़ चलता है. पर एक ही दिक्कत है. यहाँ कोई गद्दा नहीं है।
मैंने कहा- तो क्या हुआ? खड़े खड़े कर लेना।

उसने कहा- नहीं, रुको. मैं 5 मिनट में आया.
और भाग के नीचे चला गया।

मैंने लगभग उसका 15 मिनट इंतज़ार किया.
नंगी चूत की चुदाई स्टोरी के अगले भाग में पढ़ कर जानें कि मेरी चूत में लंड घुसा या नहीं!
आपकी सुहानी चौधरी।
suhani.kumari.cutie@gmail.com

नंगी चूत की चुदाई स्टोरी का अगला भाग : कभी कभी जीतने के लिए चुदना भी पड़ता है-4

Other stories you may be interested in

एक उपहार ऐसा भी- 14

साथियो, अब तक आपने जाना था कि प्रतिभा ने मेरी जंघा पर हाथ फेरना शुरू कर दिया था, जिसे मैंने पायल की मौजूदगी के चलते रोक दिया था. कुछ देर बाद मैंने अपनी दोस्त के मंगेतर वैभव के पास जाने […]
Full Story >>>

कभी कभी जीतने के लिए चुदना भी पड़ता है-4

हॉट सेक्स स्टोरी इन हिंदी का पिछला भाग : कभी कभी जीतने के लिए चुदना भी पड़ता है-3 हम लोग कॉलेज बिल्डिंग के आपातकालीन सीढ़ियों से ऊपर की तरफ बिल्डिंग में चढ़ने लगे दबे पाँव. और चुपचाप छत पे पहुँच गए। […]
Full Story >>>

एक उपहार ऐसा भी- 13

हैलो … आपने मेरी इस लम्बी सेक्स कहानी के पिछले भाग में पढ़ा था कि पायल मेरी कामुक नजरों को भांप कर मुझसे खेलने लगी थी. हम लोग एयरपोर्ट आए थे इधर से दो मेहमान प्रतिभा और सुमन को ले […]
Full Story >>>

एक उपहार ऐसा भी-12

हैलो फ्रेंड्स, प्राची भाभी की मस्त चुदाई की कहानी पढ़ने के बाद एक बार फिर इस लम्बी सेक्स कहानी में आपका स्वागत है. अब आगे मजा लीजिएगा. आपको मालूम है कि पहले हीना की चुदाई, फिर प्राची भाभी की चुदाई […]
Full Story >>>

कभी कभी जीतने के लिए चुदना भी पड़ता है-2

कॉलेज गर्ल की नंगी चूत की कहानी का पिछला भाग : कभी कभी जीतने के लिए चुदना भी पड़ता है-1 मुझे मन में शक होने लगा कि सुनील मेरे साथ सेक्स करना चाहता है। उसने बोला- यार, मैं तुम्हें प्रतियोगिता जिताऊंगा, […]
Full Story >>>